इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

Ref. NO. IGNTU/2020/VC/11

Date: 14/04/2020

संदेश

प्रिय अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण,

आप सभी प्रज्ञा संचालित प्रशासन की ऑख, नाक, कान और हाथ हैं। इसकी कुशलता, सफलता, जवाबदेही और संवेदनशीलता के कारक हैं। कोविड–19 जनित वैश्विक संकट की इस कठिन घड़ी में मैं आप सब से दो–चार बातें कहना चाहता हूँ। यह एक कुलपति के नहीं, आपके एक अभिभावक के उद्‌गार हैं। हम सभी विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य हैं। मेरे साथ आप लोग विश्वविद्यालय परिसर में, आस–पास के निकटवर्ती क्षेत्रों में निवास कर रहे हैं और अपने निर्धारित प्रशासनिक दायित्वों का आवास से ही निपुणतापूर्वक निर्वहन भी कर रहे हैं। हम सभी का मन कोविड–19 की दुर्दम–निर्मम शक्ति और उसके दुष्परिणामों से विचलित है। हमारी गतिशील जीवनधारा को इसने मंद कर दिया है। एक अदृश्य आक्रामक विषाणु के समक्ष हम अपने को असहाय महसूस करने लगे हैं।

मुझे यह देखकर गर्व की अनुभूति भी हो रही है कि आप सब अपने परिवार के साथ, अपने पड़ोसियों के साथ, अपने सहकर्मियों के साथ दृढ़तापूर्वक खड़े हैं। आप घरों में केंन्द्रित रहकर एक नई दिनचर्या अपना रहे हैं। यह काम बहुत कठिन है। पर आपने देखा होगा कि प्रतिकूल मौसम में भी प्रकृति के सारे उपादान चैतन्य रहते हैं, फूलते–फलते रहते हैं। मनुष्य जीवन के व्यक्तित्व का प्रस्फुटन भी इसी प्रकार का है। मेरा आपसे और आपके परिवार से अनुरोध है कि इस कठिन समय में धीरज बनाएं रखें और अफवाहों को सच मानकर अपने हृदय को आहत ना करें। चरैवेति का मंत्र ही हमारे लिए आज तारक मंत्र है। भारत की सनातन साधना शक्ति पर पूर्ण विश्वास निश्चित ही कोविड–19 को सदा–सदा के लिए निर्मूलित कर देगा।

आप अपने आवास से प्रशासनिक निर्देशों का अनुपालन तो कर ही रहे हैं, साथ ही साथ ही आप स्वाध्याय की ओर भी उन्मुख होंगे। अपनी रचनात्मक वृत्ति का भी विकास कीजिए। आप अपने अनुभव लिख कर सकारात्मक भाव की लहर पैदा करें। यह ध्यान रखिए कि इस समय हमारे पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय और वैश्विक दायित्व बहुत बढ़ गए हैं जिसका निर्वहन हम अपनी भयमुक्त प्रकृति, अपरिमित जीवनी शक्ति और निर्विकार जीवन–दृष्टि के प्रसार द्वारा कर सकते हैं। ऐसा करके ही हम कोविड–19 का अंत करने में सफल होंगे।

ध्यातव्य है कि मनुष्य के संकल्प के आगे बड़े से बड़ा संकट भी घुटने टेक देता है। इस समय हमें अपनी इसी संकल्प शक्ति और आत्मबल को जाग्रत रखना है। परिसर में भी इसी सकारात्मक भाव के प्रसार में मिलकर हम सभी योगदान कर रहे हैं। आपसे एक अनुरोध और करना है। परिसर में जो लोग मेडिकल स्टॉफ, सुरक्षाकर्मी, सफाई कर्मचारी, दूधवाले, सब्जीवाले, हमारी अनथक सेवा में लगे हैं, उनका आभार व्यक्त करें, उनके प्रति स्नेह और सम्मान भाव रखें, उनका ध्यान रखें, उनकी जरूरतों का ध्यान रखें।

आप सभी संयम रखते हुए सामाजिक दूरी बनाये हुए हैं। जब कभी आवश्यकता पड़ने पर आवास से बाहर निकलें तो नाक, मुँह ढककर निकलें। अपने आत्मबल को और बढ़ाएं। अपने हृदय को पराजित न होने दें–हृदयेनापराजितः। अपने मन पर नियंत्रण करना सीखें, मन को अपना नियंत्रक न होने दें। सभी प्रियजनों से संपर्क करते रहिए, दूरभाष से संवाद करते रहिए। परिसर से हमारी पहचान है। यह हमारे उत्कर्ष का आधार है। इस विश्वविद्यालय को हम क्या दे सकते हैं, उसके लिए क्या कर सकते हैं और इसके माध्यम से समाज, राष्ट्र और मानवता की किस प्रकार सेवा कर सकते हैं, यह सतत विचारणीय है। इसके उत्थान के लिए एकजुट हो जाइए। चैतन्य की अनुभूति के उल्लास का प्रतिक्षण अनुभव कीजिए। आप सभी के लिए अनन्त मंगलकामनाएं।

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी

Amarkantak, District – Anuppur, Madhya Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website :www.igntu.ac.in

Scanned with CamScanner